

20/11/19	<p>पत्रावली पेश हुँ। सोय 5. लक्ष्मण      एक बार-बार दावाए डिगरे      शिखे प्राची दसामतक वृ ककामतक      इतक पोखरा वै इतक प्राची का-प्राचीन      पत्र दाइय दाइय इतक पेशी व</p>
----------	--

स्वाधीन विकास जाता है पत्रावली  
केवल सुधार होकर ही  
किसी क्षेत्र को ही तथा  
द्वितीय दरतरे है

आधिकार  
उपखण्ड  
चौमू जिला जयपुर

